एम.पी.ए. / एम.ए.

विषय–कथक नृत्य

शास्त्र– प्रथम प्रश्न पत्र

सेमेस्टर–1

भारतीय नृत्य का इतिहास एवं विकास

समय : 3 घण्टे

मिड टर्म	:	15+उपस्थिति 5
प्रश्न पत्र	:	80
पूर्णांक	:	100

इकाई–1

(अ) आचार्य भरत मुनि द्वारा रचित नाट्यशास्त्र में वर्णित विषयवस्तु का सामान्य अध्ययन।

(ब) नाट्य शास्त्र के अनुसार नाट्योत्पत्ति की कथा का अध्ययन। (प्रथम व अंतिम अध्याय के अनुसार)।

इकाई–2

(अ) (i) नाट्य शास्त्र के अनुसार रस निष्पत्ति का सिद्धांत एवं परवर्ती आचार्यों का रस सिद्धांत।

(ii) नव रसों का विशद अध्ययन एवं नृत्य कला में महत्व।

(ब) नाटय शास्त्र के अनुसार भाव का विशद अध्ययन।

इकाई–3

(अ) नाट्य शास्त्र के अनुसार रंगमंच का विस्तृत अध्ययन।

(ब) बैले का इतिहास एवं विकास तथा कथक नृत्य में इसका योगदान।

इकाई–4

(अ) नाट्य शास्त्र के अनुसार पूर्वरंग कथक नृत्य के संदर्भ में।

(ब) कथक नृत्य के आहार्य अभिनय का प्राचीन एवं आधुनिक स्वरूप तथा उसकी उपयोगिता।

इकाई–5

(अ) उत्तर भारतीय ताल लिपि पद्धतियों का अध्ययन।

(ब) लखनऊ के नवाब वाजिद अलीशाह के कार्यकाल का विशेष उल्लेख करते हुए, मुस्लिम दरबार में कथक नृत्य का उद्धार एवं विकास।

नोट– पाठ्यकम में निर्धारित ताल पंचम सवारी (15–मात्रा), रूद्र (11–मात्रा) और तीन ताल (16)

संदर्भित पुस्तकें–

1. आचार्य भरत का नाट्य शास्त्र।
2. आचार्य नन्दिकेश्वर का अभिनय दर्पण।
3. भारतीय संस्कृति में कथक परंपरा (डॉ. मांडवी सिंह)
4. कथक दर्पण (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
5. ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में कथक नृत्य (डॉ. माया टाक)
6. कथक नृत्य शिक्षा भाग एक एवं दो (डॉ. पुरू दाधीच)
7. कथक कल्पद्रुम (डॉ. चेतना ज्योतिषी व्यौहार)
8. संगीत दर्पण (श्री दामोदर पंडित)
9. कथक नृत्य (श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग)
10. नृत्य निबन्ध (डॉ. पुरू दाधीच)
11. कथक प्रसंग (श्रीमती रश्मि वाजपेयी)
12. कथक ज्ञानेश्वरी (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
13. कथक नृत्य परंपरा (डॉ. प्रम दवे)
14. भारत के लोक नृत्य (प्रो. मोहम्मद शरीफ)
15. अभिनय दर्पण (डॉ. पुरू दाधीच)
16. कथक के संदर्भ में नर्तन भेद (डॉ. भगवानदास माणिक)
17. हिन्दी नाट्य शास्त्र (भाग 1,2,3,4) (प्रो. बाबूलाल शुक्ल शास्त्री)
18. भारतीय नाट्य परम्परा में अभिनय दर्पण (श्री वाचस्पति गैरोला)
19. रस गुंजन (पं. बिरजू महाराज)
20. अक्षरों की आरसी (डॉ. ज्योति बख्शी)
21. मध्य प्रदेश के लोक नृत्य।

एम.पी.ए. / एम.ए.

विषय–कथक नृत्य

शास्त्र– द्वितीय प्रश्न पत्र

सेमेस्टर–1

निबंध संरचना, लयकारी एवं प्रयोगात्मक सिद्धांत

समय : 3 घण्टे

मिड टर्म : 15+उपस्थिति 5

प्रश्न पत्र : 80

पूर्णांक : 100

इकाई–1

अ. नृत्य से सम्बन्धित सामान्य विषय पर निबंध –

(अ) कथक नृत्य में सहकलाकारों एवं वाद्यों की भूमिका।

(ब) कथक नृत्य के आध्यात्मिक पक्ष का विश्लेषण।

(स) कथक नृत्य का काव्य पक्ष।

इकाई–2

(अ) लय का विस्तृत अध्ययन एवं कथक नृत्य में लयकारी का महत्व।

(ब) कथक नृत्य में ताल महत्व एवं विस्तृत अध्ययन।

इकाई–3

(अ) आचार्य भरत के नाट्य शास्त्र के अनुसार 32 अंगहार का विस्तृत अध्ययन।

(ब) नाट्य शास्त्र के अनुसार नृत्य हस्तों की जानकारी।

इकाई–4

(अ) प्रायोगिक पक्ष में सीखी गई तालों पर – तीन ताल, पंचमसवारी (15–मात्रा) और रूद्र (11–मात्रा) नृत्य के बोलों को लिपिबद्ध करने की क्षमता।

इकाई–5

निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर किए गए कथानकों पर नृत्यनाटिका संरचना करने की क्षमता :–

(अ) मोहनी भस्मासुर। (ब) कालिया दमन।

(कथानक, मंच व्यवस्था, वेशभूषा, रूप सज्जा, पार्श्व संगीत, ताल एवं रस)

नोट– पाठ्यक्रम में निर्धारित ताल सवारी (15–मात्रा) और रूद्र (11–मात्रा)

एम.पी.ए. / एम.ए.

विषय–कथक नृत्य

प्रायोगिक 1 वायवा

सेमेस्टर–1

पूर्णांक : 100

इकाई–1

तीन ताल में नृत्य पक्ष के सम्पूर्ण बोलों, तत्कार एवं तिहाईयों के साथ आधा घण्टे तक उच्चस्तरीय नृत्य प्रदर्शन की क्षमता। लखनऊ घराने की किसी दो बन्दिशों पर प्रदर्शन।

इकाई–2

गतनिकास–कोई तीन एवं गतभाव–गंगावतरण।

इकाई–3

निम्नलिखित में से किसी एक ताल पर नृत्य प्रदर्शन की क्षमता–पंचम सवारी (15–मात्रा) और रूद्र (11–मात्रा)।

इकाई–4

गुरूवंदना एवं गणेश वंदना पर प्रदर्शन। भजन और तराने पर भाव नृत्य प्रदर्शन।

इकाई–5

आंतरिक मूल्यांकन– विषय के प्रति रूचि व ग्रहणशीलता, अन्य कक्षाओं में नृत्य अध्यापन की योग्यता।

प्रायोगिक–2

मंच प्रदर्शन

सेमेस्टन–1

पूर्णांक : 100

आमंत्रित दर्शकों के समक्ष उच्चस्तरीय नृत्य का मंच प्रदर्शन।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांक : 50

आवश्यक निर्देश :– आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी। (1) कक्षा में सीखे गये तोडे–टुकडे, बंदीश आदि का लिपीबद्ध विवरण/नोटेशन (2) विश्वविद्यालय/महाविद्यालय एवं नगर में आयोजित नृत्य कार्यक्रमों की रिपोर्ट। इन फाईल्स का मूल्यांकन आन्तरिक परीक्षक को विद्यार्थियों की फाईल्स की ग्रेडिंग (श्रेणी) करके बाह्य परीक्षक के समक्ष प्रस्तुत करना होगा तथा छात्र–छात्राओं की उपस्थिति विवरण भी प्रस्तुत करना होगा, जिसके आधार पर बाह्य परीक्षक द्वारा अंतिम अंक मूल्यांकन किया जावेगा। जिस पर आंतरिक तथा बाह्य परीक्षक, दोनों के हस्ताक्षर अनिवार्य होंगे।

संदर्भित पुस्तकें:–

1. भारतीय संस्कृति में कथक परंपरा (डॉ. मांडवी सिंह)
2. कथक दर्पण (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
3. ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में कथक नृत्य (डॉ. माया टाक)
4. कथक नृत्य शिक्षा भाग एक एवं दो (डॉ. पुरू दाधीच)
5. कथक कल्पद्रुम (डॉ. चेतना ज्योतिषी व्यौहार)
6. संगीत दर्पण (श्री दामोदर पंडित)
7. कथक नृत्य (श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग)
8. नृत्य निबन्ध (डॉ. पुरू दाधीच)
9. कथक प्रसंग (श्रीमती रश्मि वाजपेयी)
10. कथक ज्ञानेश्वरी (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
11. कथक नृत्य परंपरा (डॉ. प्रम दवे)

12. भारत के लोक नृत्य (प्रो. मोहम्मद शरीफ)
13. अभिनय दर्पण (डॉ. पुरू दाधीच)
14. कथक के संदर्भ में नर्तन भेद (डॉ. भगवानदास माणिक)

एम.पी.ए. / एम.ए.

विषय–कथक नृत्य

शास्त्र– प्रथम प्रश्न पत्र

सेमेस्टर–2

भारतीय नृत्य का इतिहास एवं विकास

समय : 3 घण्टे

मिड टर्म	:	15+उपस्थिति 5
प्रश्न पत्र	:	80
पूर्णांक	:	100

इकाई–1

(अ) भारत में लोकनृत्य का उद्भव एवं विकास का अध्ययन एवं भारतीय सामाजिक जीवन से सम्बन्ध।

(ब) नाट्य शास्त्र के अनुसार नाट्य के दस भेदों का अध्ययन।

इकाई–2

(अ) आचार्य भरत मुनि द्वारा रचित नाट्यशास्त्र के अनुसार स्थानक भेद।

(ब) नाट्यशास्त्र के अनुसार आंगिक अभिनय का विस्तृत अध्ययन।

इकाई–3

(अ) कथक में नवीन प्रयोग एवं सम्भावनाएं।

(ब) नाट्यशास्त्र के अनुसार 1 से 30 करणों का विस्तृत अध्ययन।

इकाई–4

(अ) नृत्य कला से सम्बन्धित प्राचीन ग्रन्थों की जानकारी।

(ब) रायगढ़ के राजा चक्रधर सिंह के कार्यकाल में कथक नृत्य का विकास एवं उनका योगदान।

इकाई–5

(अ) भारत की विभिन्न नृत्य – शौलियों का अध्ययन।

(अ) कथकली नृत्य (ब) उड़ीसा नृत्य

(स) भरतनाट्यम नृत्य (द) मणीपुरी नृत्य

(ब) साहित्य एवं नृत्यकला का सहसम्बन्ध।

नोट– प्रायोगिक में

प्रथम सेमेस्टर के ताल– (15–मात्रा) और रूद्र (11–मात्रा)

द्वितीय सेमेस्टर के ताल– बसंत (9–मात्रा) और शिखर (17–मात्रा) ताल।

एम.पी.ए. / एम.ए.

विषय–कथक नृत्य

शास्त्र– द्वितीय प्रश्न पत्र

सेमेस्टर–2

निबंध संरचना, लयकारी एवं प्रयोगात्मक सिद्धांत

समय : 3 घण्टे

मिड टर्म	:	15+उपस्थिति 5
प्रश्न पत्र	:	80
पूर्णांक	:	100

इकाई–1

अ. नृत्य से सम्बन्धित सामान्य विषयों पर निबंध रचना।
(अ) अष्टनायिका भेदों का कथक नृत्य में प्रयोग।
(ब) कथक नृत्य में आंगिक और वाचिक अभिनय।
(स) कथक नृत्य एवं योग सहसम्बन्ध।

इकाई–2

(अ) ''शारदातनय का भाव प्रकाश'' के विषय वस्तु का अध्ययन।
(ब) कथक नृत्य में भाव, विभाव, अनुभाव एवं संचारी भाव का महत्व।

इकाई–3

(अ) आधुनिक नृत्य (मॉडर्न डांस) का अध्ययन।
(ब) नाट्यशास्त्र के अनुसार असंयुक्त एवं संयुक्त हस्तों का अध्ययन।

इकाई–4

(अ) प्रायोगिक पक्ष में सीखी गई ताल–
तीन ताल (16–मात्रा) बसंत (9–मात्रा) एवं शिखर (17–मात्रा) पर बोलो को लिपिबद्ध करने की क्षमता एवं लयकारी लेखन– आड़, कुआड़, बिआड़।
(ब) दिए गए कुटाक्षरों पर आधारित नृत्य के बोलों की रचना करने की क्षमता।
जैसेः– तत्, थुं, तक, धा, धिलांग, तकिट, धिकिट, नागेतिट, कडधातेट, ता थेई, तत थई, आ थेई, तिग्दादिगदिग थेई।

इकाई–5

अ. निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर दिए गए कथानकों पर नृत्य नाटिका की संरचना करने की क्षमता :–
(अ) द्रोपदी वस्त्र हरण (ब) अभिसारिका नायिका।
कथानक, पात्र चयन, मंच व्यवस्था, वेशभूषा, रूप सज्जा, पार्श्व संगीत, ताल एवं रस।

नोट– प्रायोगिक में

प्रथम सेमेस्टर के ताल– (15–मात्रा) और रूद्र (11–मात्रा)
द्वितीय सेमेस्टर के ताल– बसंत (9–मात्रा) और शिखर (17–मात्रा) ताल।

एम.पी.ए. / एम.ए.

विषय–कथक नृत्य

प्रायोगिक– 1 वायवा

सेमेस्टर–2

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

इकाई–1

1. तीन ताल में तिस्त्र व मिश्र जाति की परन, नवहक्का, गणेश परन, विभिन्न प्रकार के कवित्त, अतीत। अनागत के बोल एवं तोड़ा एवं परन फरमाइशी चक्करदार के साथ उच्चस्तरीय नृत्य प्रदर्शन।

इकाई–2

1. गतनिकास–घूँघट के विभिन्न प्रकार।

2. गतभाव– शूर्पणखा मानभंग अथवा सीताहरण।

इकाई–3

1. निम्नलिखित में से किसी एक ताल पर नृत्य प्रदर्शन की क्षमता–

   बसंत (9–मात्रा) और शिखर (17–मात्रा) ताल।

इकाई–4

1. विष्णु वंदना एवं शिव वंदना पर भाव प्रदर्शन।

2. ठुमरी एवं तिरवट पर भाव नृत्य प्रदर्शन।

इकाई–5

1. आंतरिक मूल्यांकन– विषय के प्रति रूचि व ग्रहणशीलता, अन्य कक्षाओं में नृत्य अध्यापन की योग्यता।

2. पूर्व कक्षा में सीखी ताल एवं बंदिशों की पुनरावृत्ति।

प्रायोगिक–2

मंच प्रदर्शन

सेमेस्टन–1

पूर्णांक : 100

आमंत्रित दर्शकों के समक्ष उच्चस्तरीय नृत्य का मंच प्रदर्शन।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांक : 50

आवश्यक निर्देश :– आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी। (1) कक्षा में सीखे गये तोडे–टुकडे, बंदीश आदि का लिपीबद्ध विवरण/नोटेशन (2) विश्वविद्यालय/महाविद्यालय एवं नगर में आयोजित नृत्य कार्यक्रमों की रिपोर्ट। इन फाईल्स का मूल्यांकन आन्तरिक परीक्षक को विद्यार्थियों की फाईल्स की ग्रेडिंग (श्रेणी) करके बाह्य परीक्षक के समक्ष प्रस्तुत करना होगा तथा छात्र–छात्राओं की उपस्थिति विवरण भी प्रस्तुत करना होगा, जिसके आधार पर बाह्य परीक्षक द्वारा अंतिम अंक मूल्यांकन किया जावेगा। जिस पर आंतरिक तथा बाह्य परीक्षक, दोनों के हस्ताक्षर अनिवार्य होंगे।

संदर्भित पुस्तकें:–

1. भारतीय संस्कृति में कथक परंपरा (डॉ. मांडवी सिंह)
2. कथक दर्पण (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
3. ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में कथक नृत्य (डॉ. माया टाक)
4. कथक नृत्य शिक्षा भाग एक एवं दो (डॉ. पुरू दाधीच)
5. कथक कल्पद्रुम (डॉ. चेतना ज्योतिषी व्यौहार)
6. संगीत दर्पण (श्री दामोदर पंडित)
7. कथक नृत्य (श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग)
8. नृत्य निबन्ध (डॉ. पुरू दाधीच)
9. कथक प्रसंग (श्रीमती रश्मि वाजपेयी)
10. कथक ज्ञानेश्वरी (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
11. कथक नृत्य परंपरा (डॉ. प्रम दवे)
12. भारत के लोक नृत्य (प्रो. मोहम्मद शरीफ)
13. अभिनय दर्पण (डॉ. पुरू दाधीच)
14. कथक के संदर्भ में नर्तन भेद (डॉ. भगवानदास माणिक)
15. हिन्दी नाट्य शास्त्र (भाग 1,2,3,4) (प्रो. बाबूलाल शुक्ल शास्त्री)

16. भारतीय नाट्य परम्परा में अभिनय दर्पण (श्री वाचस्पति गैरोला)
17. अंग काव्य (पं. बिरजू महाराज)
18. अक्षरों की आरसी (डॉ. ज्योति बख्शी)
19. मध्य प्रदेश के लोक नृत्य।

एम.पी.ए. / एम.ए.

विषय–कथक नृत्य

शास्त्र– प्रथम प्रश्न पत्र

सेमेस्टर–3

भारतीय नृत्य का इतिहास एवं विकास

समय : 3 घण्टे

मिड टर्म	:	15+उपस्थिति 5
प्रश्न पत्र	:	80
पूर्णांक	:	100

इकाई–1

(अ) भारतीय नृत्य कला का इतिहास–पूर्व मध्य एवं मुगलकाल में भारतीय नृत्य कला के विकास की जानकारी।

(ब) कथक नृत्य के घराने एवं उनकी शैलीगत विशेषताएंः– लखनऊ एवं बनारस घराना।

इकाई–2

(अ) भारत के नाट्य शास्त्र के अनुसार 31से 60 तक करणों का अध्ययन।

(ब) आचार्य भरत के नाट्यशास्त्र एवं आचार्य नंदीकेश्वर के अभिनय–दर्पण में वर्णित हस्त मुद्राओं का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–3

(अ) रसलीला की उत्पत्ति एवं विस्तृत अध्ययन तथा कथक नृत्य से उसका सम्बन्ध।

(ब) बैले की उत्पत्ति एवं पाश्चात्य नृत्यकला का अध्ययन।

इकाई–4

(अ) मृत्युलोक में शारदातनय के भाव प्रकाश के अनुसार नाट्य का प्रादुर्भाव।

(ब) बीसवीं शताब्दी में शास्त्रीय नृत्य की स्थिति।

इकाई–5

(अ) आचार्य नन्दीकेश्वर द्वारा रचित ''अभिनय दर्पण'' के अनुसार गतिभेदों का विवरण।

(ब) संगीत रत्नाकर, नर्तन सर्वस्वम एवं आचार्य भरत मुनि द्वारा रचित नाट्यशास्त्र के अनुसार सोलह श्रृंगार एवं बारह आभूषणों का अध्ययन।

नोट– प्रायोगिक में

द्वितीय सेमेस्टर के ताल– बसंत (9–मात्रा) और शिखर (17–मात्रा) ताल।

तृतीय सेमेस्टर के ताल– लक्ष्मी ताल (18–मात्रा), मत्त ताल (18–मात्रा)।

एम.पी.ए. / एम.ए.

विषय–कथक नृत्य

शास्त्र– द्वितीय प्रश्न पत्र

सेमेस्टर–3

निबंध संरचना, लयकारी एवं प्रयोगात्मक सिद्धांत

समय : 3 घण्टे

मिड टर्म	:	15+उपस्थिति 5
प्रश्न पत्र	:	80
पूर्णांक	:	100

इकाई–1

1. नृत्य से सम्बन्धित सामान्य विषयों पर निबंध–
   (अ) गुरू शिष्य परम्परा एवं संस्थागत शिक्षण प्रणाली का तुलनात्मक अध्ययन।
   (ब) कथक नृत्य और नायिका भेद।
   (स) नृत्य के विकास में संचार माध्यमों की भूमिका।

इकाई–2

(अ) कथक नृत्य में भाव प्रदर्शन–ठुमरी एवं बैठकी भाव का अध्ययन।
(ब) जाति एवं यदि भेदों का अध्ययन।

इकाई–3

(अ) नाट्य शास्त्र के अनुसार 61 से 108 तक करणों का विस्तृत अध्ययन।
(ब) नायिका भेदों का स्वभाव एवं अवस्था अनुसार विस्तृत अध्ययन।

इकाई–4

(अ) प्रायोगिक पक्ष में सीखी गई तालों लक्ष्मी (18 मात्रा), मत्ततात (18 मात्रा) पर बोलों को लिपिबद्ध करने की क्षमता।
(ब) दिए गए कुटाक्षरों पर आधारित नृत्य के बोलों की रचना करने की क्षमता।
जैसेः– तिग्धा, दिगदिग, धिलांग, किटतक, कुकु, झनझन, ता थेई, तत थेई, आ थेई तिग्दादिगदिग थेई।

इकाई–5

अ. निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर दिए गए कथानकों पर नृत्य नाटिका की संरचना करने की क्षमता :–
(अ) सीताहरण (ब) खण्डिता नायिका।
कथानक, पात्र चयन, मंच व्यवस्था, वेशभूषा, रूप सज्जा, पार्श्व संगीत, ताल एवं रस।

नोट– प्रायोगिक में

प्रथम सेमेस्टर के ताल– बसंत (9–मात्रा) और शिखर (17–मात्रा) ताल।
द्वितीय सेमेस्टर के ताल– लक्ष्मी ताल– (18–मात्रा) और मत्त ताल (18–मात्रा)।

एम.पी.ए. / एम.ए.

विषय–कथक नृत्य

प्रायोगिक– 1 वायवा

सेमेस्टर–3

पूर्णांक : 100

इकाई–1

तीन ताल में दल वादल परन, गजपरन, त्रिपल्ली, लयबांट आदि के साथ उच्चस्तरीय नृत्य प्रदर्शन की क्षमता। खंड, मिश्र एवं संकीर्ण जाति के बोल बन्दिशों का प्रदर्शन। जयपुर घराने की प्राचीन एवं घरानेदार दो बंदिशों का प्रदर्शन।

इकाई–2

गतभाव – द्रोपदी वस्त्र हरण

गतिनिकास – मुरली के विभिन्न प्रकार

इकाई–3

कृष्ण वंदना अथवा सरस्वती वंदना पर भाव नृत्य प्रदर्शन।

ठुमरी, गजल अथवा चतुरंग पर भाव प्रदर्शन।

इकाई–4

निम्न में से किसी एक ताल पर नृत्य करने की क्षमता–

लक्ष्मी ताल – 18 – मात्रा, मत्त ताल 18 – मात्रा

इकाई–5

1. आंतरिक मूल्यांकन– विषय के प्रति रूचि व ग्रहणशीलता, अन्य कक्षाओं में नृत्य अध्यापन की योग्यता।

प्रायोगिक–3

पूर्णांक : 100

आमंत्रित दर्शकों के समक्ष उच्चस्तरीय नृत्य का मंच प्रदर्शन।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांक : 50

आवश्यक निर्देश :– आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी। (1) कक्षा में सीखे गये तोडे–टुकडे, बंदीश आदि का लिपीबद्ध विवरण/नोटेशन (2) विश्वविद्यालय/महाविद्यालय एवं नगर में आयोजित नृत्य कार्यक्रमों की रिपोर्ट। इन फाईल्स का मूल्यांकन आन्तरिक परीक्षक को विद्यार्थियों की फाईल्स की ग्रेडिंग (श्रेणी) करके बाह्य परीक्षक के समक्ष प्रस्तुत करना होगा तथा छात्र–छात्राओं की उपस्थिति विवरण भी प्रस्तुत करना होगा, जिसके आधार पर बाह्य परीक्षक द्वारा अंतिम अंक मूल्यांकन किया जावेगा। जिस पर आंतरिक तथा बाह्य परीक्षक, दोनों के हस्ताक्षर अनिवार्य होंगे।

संदर्भित पुस्तकें:–

1. भारतीय संस्कृति में कथक परंपरा (डॉ. मांडवी सिंह)
2. कथक दर्पण (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
3. ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में कथक नृत्य (डॉ. माया टाक)
4. कथक नृत्य शिक्षा भाग एक एवं दो (डॉ. पुरू दाधीच)
5. कथक कल्पद्रुम (डॉ. चेतना ज्योतिषी व्यौहार)
6. संगीत दर्पण (श्री दामोदर पंडित)
7. कथक नृत्य (श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग)
8. नृत्य निबन्ध (डॉ. पुरू दाधीच)
9. कथक प्रसंग (श्रीमती रश्मि वाजपेयी)
10. कथक ज्ञानेश्वरी (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
11. कथक नृत्य परंपरा (डॉ. प्रम दवे)
12. भारत के लोक नृत्य (प्रो. मोहम्मद शरीफ)
13. अभिनय दर्पण (डॉ. पुरू दाधीच)
14. कथक के संदर्भ में नर्तन भेद (डॉ. भगवानदास माणिक)
15. हिन्दी नाट्य शास्त्र (भाग 1,2,3,4) (प्रो. बाबूलाल शुक्ल शास्त्री)

16. भारतीय नाट्य परम्परा में अभिनय दर्पण (श्री वाचस्पति गैरोला)
17. अंग काव्य (पं. बिरजू महाराज)
18. अक्षरों की आरसी (डॉ. ज्योति बख्शी)
19. मध्य प्रदेश के लोक नृत्य।
20. कथक घराना रायगढ़ – डॉ भगवान दास माणिक

एम.पी.ए. / एम.ए.

विषय–कथक नृत्य

शास्त्र– प्रथम प्रश्न पत्र

सेमेस्टर–4

भारतीय नृत्य का इतिहास एवं विकास

समय : 3 घण्टे

मिड टर्म	:	15+उपस्थिति 5
प्रश्न पत्र	:	80
पूर्णांक	:	100

इकाई–1

(अ) संस्कृत साहित्य एवं पुरातत्व मूर्तिकला में नृत्य का उल्लेख।

(ब) कथक नृत्य के निम्न घराने एवं उनकी शैलीगत विशेषताएंः– जयपुर एवं रायगढ़ घराना।

इकाई–2

(अ) कथक नृत्य की समकालीन सुप्रसिद्ध महिला कलाकारों का परिचय एवं कथक नृत्य में उनका योगदान।

विदुषी कुमुदिनी लाखिया, विदुषी रोहिणी भाटे, विदुषी सुनयना हजारी लाल, विदुषी सितारादेवी।

(ब) निम्नलिखित शास्त्रीय नृत्य शैलियों का अध्ययन–कुचिपुड़ी, मोहिनी अटट्म, सत्रीया।

इकाई–3

(अ) यक्षगान, रामलीला, नौटंकी तथा नक्काली आदि लोकनाट्यों का संक्षिप्त परिचय।

(ब) भारत सरकार एवं संस्थाओं द्वारा कथक नृत्य की लोकप्रियता हेतु किये गये प्रयास।

इकाई–4

(अ) आचार्य नन्दीकेश्वर द्वारा रचित अभिनय दर्पण में वर्णित विष्यवस्तु का संक्षिप्त अध्ययन।

(ब) संगीत रत्नाकर के नृत्याध्याय (सप्तम) का विस्तृत अध्ययन।

इकाई–5

(अ) वैदिकोत्तर काल में नृत्य के ऐतिहासिक संदर्भों का अध्ययन।

(ब) नृत्य और आध्यात्म।

नोट– प्रायोगिक में

तृतीय सेमेस्टर के ताल– लक्ष्मी ताल (18–मात्रा), मत्त ताल (18–मात्रा)।

चतुर्थ सेमेस्टर के ताल– रास ताल (13–मात्रा) या अर्जुन ताल (20–मात्रा)।

एम.पी.ए. / एम.ए.

विषय–कथक नृत्य

शास्त्र– द्वितीय प्रश्न पत्र

सेमेस्टर–4

निबंध संरचना, लयकारी एवं प्रयोगात्मक सिद्धांत

समय : 3 घण्टे

मिड टर्म	:	15+उपस्थिति 5
प्रश्न पत्र	:	80
पूर्णांक	:	100

इकाई–1

निम्नलिखित नृत्यों से सम्बन्धित विषयों पर निबंध रचना–

(अ) भारतीय रंगमंच का स्वरूप और परम्परा।
(ब) मध्यकालीन नृत्य परम्परा पर मुस्लिम प्रभाव।
(स) भारतीय शास्त्रीय नृत्य की विदेशों में लोकप्रियता।

इकाई–2

(अ) ताल के दश प्राणों का अध्ययन।
(ब) नाट्य शास्त्र के अनुसार भ्रकुटि भेदों का श्लोक सहित अध्ययन।

इकाई–3

(अ) अशोक मल्ल के नृत्याध्याय की विषयवस्तु का संक्षिप्त अध्ययन।
(ब) नायिका भेदों की उदाहरण सहित व्याख्या एवं नृत्य में उसका महत्व।

इकाई–4

(अ) प्रायोगिक पक्ष में दिये गये तालों में – रस ताल 13 मात्रा एवं चौताल ताल 12 मात्रा तोड़े, परन, बोल आदि का निर्माण कर, लिपिबद्ध करने की क्षमता।
दिए गए कुटाक्षरों पर आधारित नृत्य के बोलों की रचना करने की क्षमता।
जैसेः– तत, थुं, तिगदा, दिगदिग, तकतक, धुमकिट, धा इत्यादि।

इकाई–5

(अ) निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर दिए गए कथानकों पर नृत्य नाटिका की संरचना करने की क्षमता –

1. होलिका दहन।
2. विश्वामित्र मेनका
3. जटायू मोक्ष

कथानक, पात्र, चयन, मंच व्यवस्था, वेशभूषा, रूप सज्जा, पार्श्व संगीत, ताल एवं रस।

नोट–प्रयोगिक में

तृतीय सेमेस्टर के ताल –लक्ष्मी ताल (18 – मात्रा) मत्त ताल (18– मात्रा)।
चतुर्थ सेमेस्टर के ताल –रास ताल (13– मात्रा) या चौताल (12–मात्रा)।

एम.पी.ए. / एम.ए.

विषय–कथक नृत्य

प्रायोगिक– 1 वायवा

सेमेस्टर–4

पूर्णांक : 100

इकाई–1

(अ) घरानेदार पारम्परिक बंदिशों का प्रदर्शन।

(ब) थाट, उठान, आमद, प्रिमलू, कमाली परन, त्रिपल्ली, विकसित तिहाईयों के साथ नृत्य प्रदर्शन।

इकाई–2

(अ) गत निकास पूर्व में सीखे गये गतनिकासों की पुनरावृत्ति।

(ब) गत भाव– दशावतार एवं राधा–कृष्ण की छेड़–छाड़।

इकाई–3

(अ) दुर्गास्तुति एवं श्रीरामस्तुति पर भाव प्रदर्शन।

(ब) ध्रुपद एवं ठुमरी पर भावप्रदर्शन अथवा आधुनिक कवियों की रचनाओं का प्रदर्शन।

इकाई–4

निम्नलिखित में से किसी एक ताल पर नृत्य प्रदर्शन–

रास ताल (13 मात्रा) या चौताल (12 मात्रा)

इकाई–5

विषय के प्रति रूचि व ग्रहणशीलता, अन्य कक्षाओं में नृत्य अध्यापन की योग्यता एवं नृत्य निर्देशन की क्षमता का विकास नृत्य नाटिका (बैले), पौराणिक कथा अथवा वाद्य संगीत।

पूर्व कक्षा में सीखी गई ताल एवं बंदिशों की पुनरावृत्ति।

एम.पी.ए. / एम.ए.

विषय–कथक नृत्य शास्त्र

प्रायोगिक–2 मंच प्रदर्शन

सेमेस्टर–4

पूर्णांक : 100

आमंत्रित दर्शकों के समक्ष उच्चस्तरीय नृत्य का मंच प्रदर्शन।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांक : 50

आवश्यक निर्देश :– आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी। (1) कक्षा में सीखे गये तोडे–टुकडे, बंदीश आदि का लिपीबद्ध विवरण / नोटेशन (2) विश्वविद्यालय / महाविद्यालय एवं नगर में आयोजित नृत्य कार्यक्रमों की रिपोर्ट। इन फाईल्स का मूल्यांकन आन्तरिक परीक्षक को विद्यार्थियों की फाईल्स की ग्रेडिंग (श्रेणी) करके बाह्य परीक्षक के समक्ष प्रस्तुत करना होगा तथा छात्र–छात्राओं की उपस्थिति विवरण भी प्रस्तुत करना होगा, जिसके आधार पर बाह्य परीक्षक द्वारा अंतिम अंक मूल्यांकन किया जावेगा। जिस पर आंतरिक तथा बाह्य परीक्षक, दोनों के हस्ताक्षर अनिवार्य होंगे।

संदर्भित पुस्तकें:–

1. भारतीय संस्कृति में कथक परंपरा (डॉ. मांडवी सिंह)
2. कथक दर्पण (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
3. ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में कथक नृत्य (डॉ. माया टाक)
4. कथक नृत्य शिक्षा भाग एक एवं दो (डॉ. पुरू दाधीच)
5. कथक कल्पद्रुम (डॉ. चेतना ज्योतिषी व्यौहार)
6. संगीत दर्पण (श्री दामोदर पंडित)
7. कथक नृत्य (श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग)
8. नृत्य निबन्ध (डॉ. पुरू दाधीच)
9. कथक प्रसंग (श्रीमती रश्मि वाजपेयी)
10. कथक ज्ञानेश्वरी (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
11. कथक नृत्य परंपरा (डॉ. प्रम दवे)
12. भारत के लोक नृत्य (प्रो. मोहम्मद शरीफ)
13. अभिनय दर्पण (डॉ. पुरू दाधीच)
14. कथक के संदर्भ में नर्तन भेद (डॉ. भगवानदास माणिक)

15. हिन्दी नाट्य शास्त्र (भाग 1,2,3,4) (प्रो. बाबूलाल शुक्ल शास्त्री)
16. भारतीय नाट्य परम्परा में अभिनय दर्पण (श्री वाचस्पति गैरोला)
17. अंग काव्य (पं. बिरजू महाराज)
18. अक्षरों की आरसी (डॉ. ज्योति बख्शी)
19. मध्य प्रदेश के लोक नृत्य।
20. कथक घराना रायगढ़ – डॉ भगवान दास माणिक